

परिवार एवं समुदाय का अधिगमकर्ताओं पर प्रभाव

डॉ अवदेश आड़ा

डीन (प्रोफेसर) शिक्षा-संकाय

माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा सिरोही, राजस्थान

शिक्षा के साधन में परिवार का सर्वप्रथम स्थान होता है क्योंकि परिवार ही बालक की प्रथम पाठशाला होती है और माँ उसकी प्रथम गुरु। परिवार समाज का अत्यन्त महत्वपूर्ण प्राथमिक समूह है। इसका अस्तित्व हर युग में और प्रत्येक समाज में किसी न किसी रूप में विद्यमान रहा है। यद्यपि परिवार का विकास मनुष्य के संरक्षण और पालन-पोषण के लिए हुआ है, लेकिन यह शिक्षा का अत्यन्त प्रभावी अनौपचारिक अभिकरण भी है। अतः यहाँ परिवार के अर्थ, महत्व, शैक्षिक भूमिका और कार्यों का अध्ययन करना आवश्यक है।